

कुमाऊँ फैन पाम संरक्षणाधीन

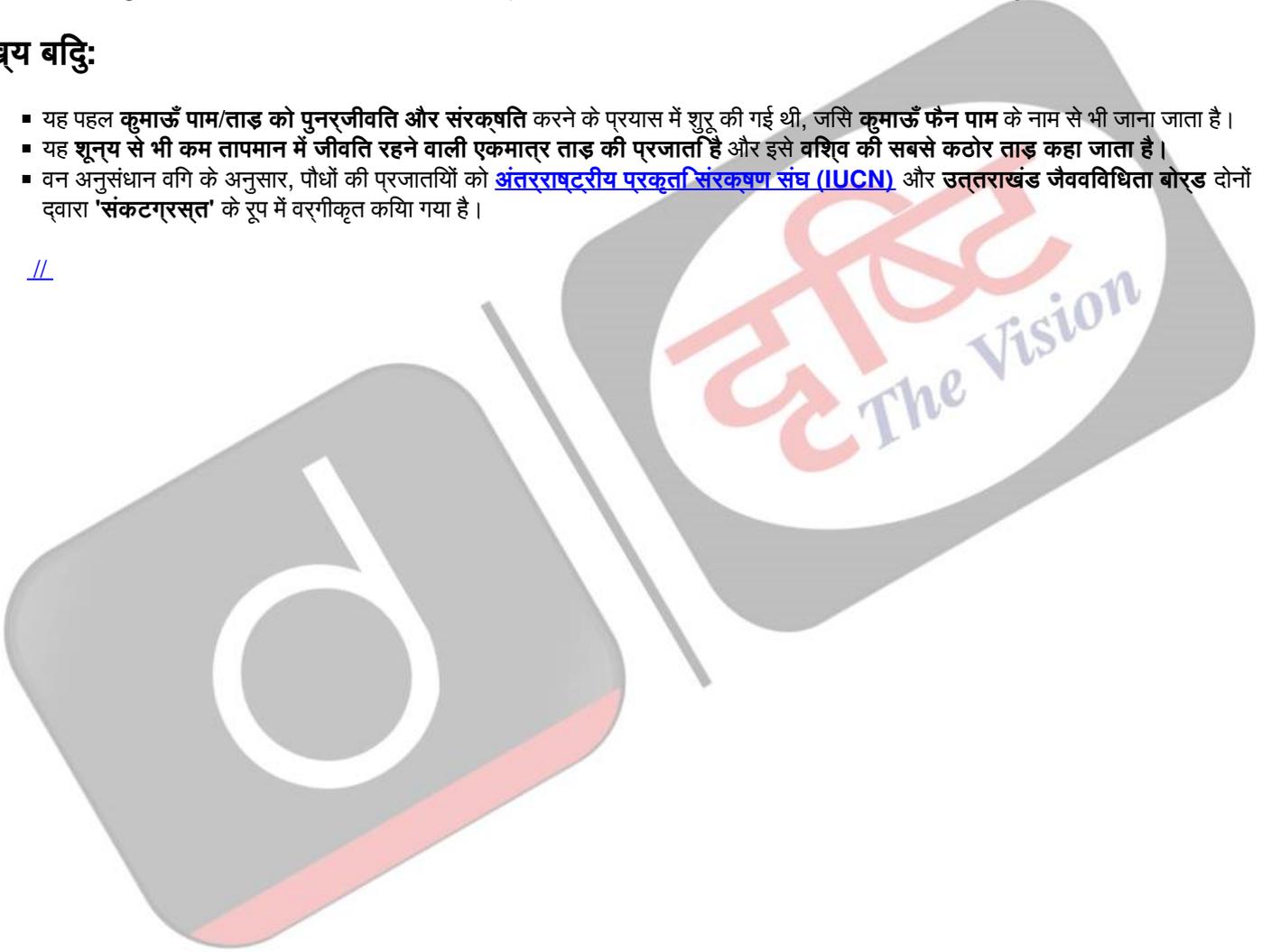
चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड वन अनुसंधान वगि ने पथौरागढ़ की पातालथोड़ नर्सरी में इस देशी पौधे के 300 पौधे उगाकर एक एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

मुख्य बंदि:

- यह पहल कुमाऊँ पाम/ताड़ को पुनर्जीवति और संरक्षति करने के प्रयास में शुरु की गई थी, जसि कुमाऊँ फैन पाम के नाम से भी जाना जाता है।
- यह शून्य से भी कम तापमान में जीवति रहने वाली एकमात्र ताड़ की प्रजाति है और इसे वशिव की सबसे कठोर ताड़ कहा जाता है।
- वन अनुसंधान वगि के अनुसार, पौधों की प्रजातियों को [अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ \(IUCN\)](#) और [उत्तराखण्ड जैवविधिता बोर्ड](#) दोनों द्वारा 'संकटग्रस्त' के रूप में वर्गीकृत कयिा गया है।

//





कुमाऊँ फैन पाम

- ताड़ का पेड़ उत्तर-पश्चिमी भारत में **उत्तराखंड प्रांत के कुमाऊँ मंडल** और नकिटवर्ती पश्चिमी नेपाल में पाया जाता है।
- ताड़ **1,800-2,700 मीटर (5,900-8,900 फीट) की ऊँचाई पर उगता** है और यह अपने मूल स्थान में नयिमति आधार पर बर्फ तथा ठंड प्राप्त करता है।
- इसका वैज्ञानिक नाम **ट्रेचीकार्पस टाकिल (Trachycarpus takil)** है।

अंतरराष्ट्रीय प्रकृतिसंरक्षण संघ

- यह एक **सदस्यता संघ** है जो वशिष्ट रूप से **सरकार और नागरिक समाज दोनों संगठनों** से बना है।
- **वर्ष 1948 में बनाया गया**, यह प्राकृतिक जगत की स्थिति और इसकी सुरक्षा के लिये आवश्यक उपायों पर वैश्विक प्राधिकरण है।
- इसका मुख्यालय **स्विट्ज़रलैंड** में है।
- IUCN द्वारा जारी की जाने वाली **रेड लिस्ट विश्व की सबसे व्यापक** सूची है, जिसमें पादप और जंतु प्रजातियों की वैश्विक संरक्षण की स्थिति को दर्शाया जाता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kumaon-fan-palm-under-conservation>

